

स्थान-भेद से हवहारा/हडहरा/हँडहरा/होंहरा भी कहा जाता है।

हड़ा पुं. (अनु.) 1. चिड़ियों को खेत से उड़ाने के लिए मुँह से निकाला हुआ शब्द 2. पुरानी चाल की पत्थर-कला नामक बंदूक।

हड़ावर पुं. (देश.) नौकरों को गरमियों के मौसम में पहनने के लिए दिए जाने वाले कपड़े।

हड़ावरि/हड़ावल स्त्री. (देश.) 1. हड्डियों का समूह 2. हड्डियों का ढाँचा 3. हड्डियों की माला 4. बहुत दुबला-पतला व्यक्ति।

हड़ीला वि. (देश.) 1. बहुत दुबला-पतला 2. जिसके शरीर में केवल हड्डियाँ ही हड्डियाँ दिखाई देती हों 3. अस्थिपंजर मात्र।

हड्ड पुं. (तत्.) अस्थि, हड्डी, हाड़।

हड्डा पुं. (देश.) बर्तन या ततैया नाम का कीड़ा।

हड्डी स्त्री. (तद्.) 1. अस्थि, हाड़, शरीर के ढाँचे का वह प्रमुख अंग या तत्व, जो बहुत कठोर होता है और उसके अंदर कोशिकाओं का जाल होता है, हड्डी का आकार प्रायः नली जैसा होता है और जोड़ों के बीच में रहती है 2. कुल, वंश, खानदान जैसे- हिंदुओं में हड्डी देखकर विवाह निश्चित किया जाता है।

हणवंत पुं. (देश.) हनुमंत, हनुमान।

हत वि. (तत्.) 1. जो मारा गया हो, वध किया हुआ, प्रताड़ित 2. जिस पर आघात हुआ हो, आहत 3. समस्त पद के आरंभ में हीन या रहित जैसे- हतबुद्धि, हतप्रभ 4. बिगड़ा हुआ, विकृत 5. खोया हुआ, नष्ट, वंचित 6. परेशान तथा दुःखी 7. रोगग्रस्त 8. गुणा किया हुआ, गुणित।

हतकंटक वि. (तत्.) 1. काँटों से रहित, कण्टकविहीन 2. शत्रुओं से रहित, शत्रुविहीन।

हतक वि. (तत्.) 1. दीन, दुःखी 2. नीच 3. नष्टप्राय पुं. कायर व्यक्ति, नीच व्यक्ति स्त्री. (अर.) अपमान, बेइज्जती, हेठी।

हतक-इज्जती स्त्री. (अर.) मानहानि, तौहीन, इज्जत पर आक्रमण।

हतचित्त वि. (तत्.) 1. अचेत, बेसुध, हतज्ञान 2. घबराया हुआ, व्याकुल 3. उलझन में पड़ा हुआ।

हतज्ञान वि. (तत्.) संज्ञा शून्य, ज्ञानशून्य, जिसका ज्ञान शून्य अथवा विकृत हो गया हो।

हतदैव वि. (तत्.) अभाग्य, भाग्यहीन, बदकिस्मत, भाग्य के द्वारा मारा गया, जिस पर दैव या ईश्वर का प्रकोप हो।

हतना स.क्रि. (तद्.) 1. हत्या करना, मार डालना, वध करना 2. आघात करना, मारना-पीटना 3. घायल करना।

हतप्रभ वि. (तत्.) जिसकी प्रभा या कांति नष्ट हो गई हो, निष्प्रभ, प्रभाहीन, कांतिहीन।

हतप्रभाव वि. (तत्.) जिसका प्रभाव नष्ट हो गया हो, प्रभावहीन, शक्तिहीन, बलहीन, पराक्रमहीन।

हतप्राय वि. (तत्.) जो लगभग मारा गया हो, मरणप्राय।

हतबल वि. (तत्.) जिसका बल नष्ट हो गया हो अथवा बहुत कम हो गया हो, बलहीन, शक्तिहीन।

हतबुद्धि वि. (तत्.) 1. किसी कारणवश (भय, घबराहट आदि) जिसकी बुद्धि काम न कर रही हो 2. बुद्धिहीन, मूर्ख।

हतभाग/हतभाग्य वि. (तत्.) भाग्यहीन, अभाग्य, बद-किस्मत, हतभागी।

हतभागी वि. (तत्.) भाग्यहीन, अभाग्य, बद-किस्मत, हतभाग उदा. 'दुर्भाग्य घोर आकर गरजा है आज किसी हतभागी का।' -कुणाल

हतमना वि. (तत्.) उदास, दुःखी, खिन्न।

हतवाना स.क्रि. (तद्.) 1. पिटवाना 2. हत्या या वध करवाना 3. घायल कराना, नष्ट कराना।

हतवीर्य वि. (तत्.) 1. जिसकी शक्ति नष्ट हो गई हो या बहुत कम हो गई हो 2. वीर्यहीन, बलहीन, शक्तिहीन 3. जिसका वीर्य नष्ट हो चुका हो।

हतवेग वि. (तत्.) जिसका वेग नष्ट हो गया हो।